

# डॉ. रोजर ग्रीन, अमेरिकी ईसाई धर्म,

## सत्र 1 1, दूसरा महान जागरण

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन अमेरिकी ईसाई धर्म पर अपने शिक्षण में हैं। यह द्वितीय महान जागृति पर सत्र 11 है।

शुरू हुआ, अपने दिलों को आशीर्वाद दें। अब आप देख सकते हैं, आप जानते हैं कि आपने परीक्षा में क्या किया। तो, आपको एक तरह से माप मिला, थोड़ा सा माप, तो यह एक अच्छी बात है। मुझे दूसरे दिन भी उल्लेख करना चाहिए था, शुरू करने से पहले, कि मत भूलना, आपको दूसरे घंटे की परीक्षा देनी है, आपको अंतिम परीक्षा देनी है, और आपको फील्ड ट्रिप भी देनी है जो थोड़ी मदद कर सकती है।

आपके पास पेपर भी हैं। पेपर वाकई मदद कर सकता है। अगर पेपर अच्छे से तैयार किया गया है तो यह आपको एक ग्रेड से अगले ग्रेड तक पहुंचा सकता है।

तो ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो आपकी मदद कर सकती हैं। अगर कोई मुझसे परीक्षा के बारे में बात करना चाहता है, तो मुझे बताएँ, और हम परीक्षा के बारे में बात करने के लिए एक समय तय करेंगे, और फिर हम उन्हें ब्लैकबोर्ड पर दर्ज करेंगे। ठीक है, आज बस थोड़ा सा भक्ति का शब्द, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण दिन है, 19 फरवरी, क्योंकि इस तारीख को, एक ऐसे व्यक्ति की मृत्यु हुई जिसके बारे में आपने शायद कभी नहीं सुना होगा।

उसका नाम अलेक्जेंडर मैक था। अलेक्जेंडर मैक एक बहुत ही दिलचस्प जर्मन लूथरन था, लेकिन वह खुद को जर्मन लूथरन चर्च और जर्मन लूथरन चर्च की कुछ प्रथाओं से थोड़ा अलग पाता था। और इसलिए एक चीज जिससे वह खुद को अलग पाता था वह था बपतिस्मा क्योंकि वह शिशु बपतिस्मा में विश्वास नहीं करता था।

उनका मानना था कि बपतिस्मा केवल वयस्कों के लिए होना चाहिए जिन्होंने विश्वास को स्वीकार किया है। और इसलिए, उन्होंने वयस्कों को छोड़कर बपतिस्मा को अस्वीकार करने वाले एक पादरी के रूप में शुरुआत की और वास्तव में कुछ समय के लिए लूथरनवाद के भीतर रहे। लेकिन फिर वह और उनके अनुयायी, एक बहुत ही छोटे समूह, अनुयायियों के एक समूह, की काफी आलोचना की गई और उनका काफी शिकार किया गया।

आखिरकार, वे अमेरिका आ गए, और वे पेनसिल्वेनिया आ गए। उन्हें पेनसिल्वेनिया का वह हिस्सा याद है जिसे जर्मनटाउन कहा जाता है क्योंकि इन सभी जर्मनों को पेनसिल्वेनिया में शरण मिली थी, और उन्होंने इसका नाम जर्मनटाउन रखा। और फिर इस दिन जर्मनटाउन, पेनसिल्वेनिया में उनकी मृत्यु हो गई, किस वर्ष में? 1735. तो, यह अलेक्जेंडर मैक की मृत्यु तिथि है।

लेकिन उनके द्वारा स्थापित समूहों में से एक को डंकर कहा जाता था, और उन्हें डंकर इसलिए कहा जाता था क्योंकि वे डूबते थे। इसलिए उन्हें डंकर कहा जाता था। वे वयस्क बपतिस्मा में विश्वास करते थे, और वे पूर्ण विसर्जन में विश्वास करते थे, इस तरह की छिड़काव वाली चीजों में से कुछ भी नहीं, आप नीचे जाते हैं।

तो यह चर्च के इतिहास में आज का दिन है, अलेक्जेंडर मैक। ठीक है, हम उस जगह पर हैं जहाँ हमें होना चाहिए, इसलिए हम खुश हैं। मैं पेज पर हूँ। मैं किस पेज पर हूँ? पाठ्यक्रम का 14वाँ पेज।

बस, जागृति के परिणामों के बारे में, और यदि आप उस रूपरेखा का अनुसरण करने जा रहे हैं, तो आपको इसे अपने सामने रखना होगा। आइए हम दूसरे दिन की जागृति के परिणामों को याद करें। सबसे पहले, पुनरुत्थानवाद में वृद्धि हुई थी, और हमने उल्लेख किया था कि पुनरुत्थानवाद वास्तव में अमेरिकी जीवन और संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है।

प्यूरिटन के साथ, फिर पहली महान जागृति, फिर दूसरी महान जागृति, फिर परिमित पुनरुद्धार, फिर आप 20वीं सदी के मध्य में आते हैं, आपको बिली ग्राहम पुनरुद्धार मिलता है। तो, पुनरुत्थानवाद यहाँ जीवन का हिस्सा है। हमने स्वैच्छिक समाजों के विस्तारित कार्य का भी उल्लेख किया, और इसका एक अच्छा उदाहरण मिशनरी समाज थे, लेकिन यह पहला 1810 था, विदेशी मिशनों के आयुक्तों का अमेरिकी बोर्ड।

अमेरिकी मिशनों की कहानी 19वीं सदी में एक बहुत ही उल्लेखनीय कहानी है, और हम उस कहानी का हिस्सा हैं, जैसा कि हमने दूसरे दिन बताया, क्योंकि 1895 में गॉर्डन कॉलेज की स्थापना हुई थी, गॉर्डन कॉलेज की स्थापना बेल्जियम कांगो में मिशनरियों को भेजने के लिए की गई थी। इसकी शुरुआत बोस्टन मिशनरी ट्रेनिंग स्कूल के रूप में हुई थी। क्या मैंने वह तारीख सही बताई है? मुझे लगता है कि मुझे तारीख सही बतानी चाहिए: 1889, धन्यवाद, 1889।

यह सही है, क्योंकि हमने अभी-अभी अपना 125वाँ जन्मदिन मनाया है, इसलिए यह सही है। इसलिए, हम इसका हिस्सा हैं। फिर, शिक्षा पर जोर: हमने बाइबल, ट्रेक्ट, शिक्षा के प्रचार, संडे स्कूल आदि के बारे में बात की।

फिर हमारे पास महान, अधिक मानवीय धर्मयुद्ध थे, उन्मूलनवादी आंदोलन सबसे बड़ा था, जो अगले कुछ व्याख्यानो में, जाहिर है, हमारा अधिकांश समय लेने वाला है, और कई संप्रदायों में वृद्धि। और इसलिए यह कॉलेजों और सेमिनारियों की स्थापना के बारे में है, और हमने चार का उल्लेख किया है: एंडोवर, प्रिंसटन, हार्वर्ड में डिविनिटी स्कूल, और येल में डिविनिटी स्कूल। ठीक है, मुझे लगता है कि हम यहीं रुक गए।

अब हम छठे नंबर पर आ गए हैं, जो शायद इस व्याख्यान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। अब, इंगील पैटर्न से विकास और प्रस्थान हैं। मूल रूप से, अमेरिकी ईसाई धर्म में, इस बिंदु तक, हमने एक बहुत मजबूत इंगील पैटर्न देखा है।

उदाहरण के लिए, देववाद के मामले में कुछ बदलाव हुए हैं। लेकिन फिर भी, अमेरिका में ईसाई जीवन का एक इंजील पैटर्न रहा है, मूल रूप से और मुख्य रूप से, यह प्रोटेस्टेंट रहा है। इसलिए, यह प्रोटेस्टेंट शिक्षाओं और प्रोटेस्टेंट मूल्यों और इसी तरह की अन्य बातों के साथ एक प्रोटेस्टेंट राष्ट्र रहा है।

तो अब यह द्वितीय महान जागृति के परिणामस्वरूप और द्वितीय महान जागृति के बाद बिखरना शुरू हो जाएगा। ठीक है, हम यहाँ चार समूहों का उल्लेख करने जा रहे हैं। पहला है रोमन कैथोलिक धर्म, जैसा कि आप अपनी रूपरेखा में देख सकते हैं, और हमने उनका उल्लेख यहाँ इसलिए किया है क्योंकि अगला व्याख्यान 19वीं शताब्दी में रोमन कैथोलिक धर्म पर होने वाला है।

लेकिन यहाँ, यह कहना पर्याप्त है कि क्रांतिकारी युद्ध के समय रोमन कैथोलिक धर्म काफी छोटा था, लेकिन जब हम 19वीं सदी के मध्य में पहुँचते हैं, तो रोमन कैथोलिक धर्म अमेरिका में एक बड़ा समूह बन गया, खासकर पूर्वी तट पर, बोस्टन, न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया जैसी जगहों पर। रोमन कैथोलिक सचमुच बहुत बड़ी संख्या में आए, सचमुच लाखों की संख्या में। इसलिए रोमन कैथोलिक धर्म आया, और 19वीं सदी के मध्य तक, प्रोटेस्टेंट राष्ट्र के लिए एक वास्तविक चुनौती पेश की और प्रोटेस्टेंट राष्ट्र में हमने जिस तरह के सामान्य इंजील पैटर्न को देखा है, उसके लिए एक वास्तविक चुनौती पेश की।

अब, हम इस बारे में और बात करेंगे। और क्या इससे कुछ कलह और संघर्ष हुआ? हाँ, हुआ, लेकिन हम अगले व्याख्यान में इस बारे में और बात करेंगे और वहाँ क्या हुआ। अब, अगले तीन, मिलराइट्स, मॉर्मन्स और शेकर्स, वास्तव में इंजील पैटर्न से अलग थे।

तो, हम सबसे पहले मिलराइट्स के बारे में बात करने जा रहे हैं। ठीक है। ठीक है।

तो अब, मिलराइट्स के बारे में बात करने के लिए, यहाँ कुछ नाम हैं जिनका उल्लेख करना ज़रूरी है। और पहला नाम जिसका उल्लेख करना ज़रूरी है, वह है विलियम मिलर, 1782 से 1849 तक। अब, एक लंबी कहानी को संक्षेप में कहें तो, विलियम मिलर अपर स्टेट न्यूयॉर्क में रहते थे और अपर स्टेट न्यूयॉर्क के एक बहुत ही सुंदर छोटे शहर में रहते थे।

लेकिन वह मूल रूप से पेशे से किसान था, लेकिन वह एक ऐसा व्यक्ति था जो अपनी बाइबल पढ़ने और बाइबल को समझने की कोशिश में बहुत व्यस्त था। और इसलिए, वह चर्च में एक आम उपदेशक बन गया। और अपने उपदेश और अपनी सेवकाई में, उसने दानियेल और प्रकाशितवाक्य की किताबें पढ़ना शुरू कर दिया।

और विलियम मिलर ने यह मानना और सिखाना शुरू कर दिया कि हम अंतिम दिनों में जी रहे हैं। उन्होंने अपने आस-पास कुछ अनुयायी बनाना शुरू कर दिया, और वे मिलराइट्स के नाम से जाने गए। अंत में, 1843 और 1845 में, विलियम मिलर ने दो बार यीशु के आगमन के वास्तविक अंतिम दिन, यीशु के दूसरे आगमन की भविष्यवाणी की।

उस दिन, उनके अनुयायी, मिलराइट्स, ने खुद को पूरी तरह से तैयार कर लिया, एक पहाड़ी की चोटी पर चले गए, और यीशु के दूसरे आगमन की प्रतीक्षा करने लगे। ऐसा नहीं हुआ। वे पहाड़ से नीचे आए, और उन्होंने इसे एक बार फिर दर्शाया, दूसरी तारीख जब यीशु वापस आ रहे थे और उनके अनुयायी, मिलराइट्स, यीशु के आने की प्रतीक्षा कर रहे थे, और ऐसा नहीं हुआ।

अब, आपको लग सकता है कि यह थोड़ा अजीब है, थोड़ा अजीब है, लेकिन वास्तव में, आप जानते हैं, कुछ साल पहले, मैं कहना चाहता हूँ कि लगभग छह या आठ साल पहले, एक रेडियो प्रचारक ने यही भविष्यवाणी की थी। उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि तारीख कुछ ऐसी होगी, मुझे नहीं पता, 20 मई या कुछ ऐसा ही। और लोग उम्मीद कर रहे थे कि यीशु उस दिन वापस आएंगे।

उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की थी। और बोस्टन में लोग, सार्वजनिक पुस्तकालय के बाहर, अपने बच्चों के साथ थे, और वे उस दिन यीशु के फिर से वापस आने की उम्मीद कर रहे थे। और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की थी।

और बोस्टन में लोग पब्लिक लाइब्रेरी के बाहर अपने बच्चों के साथ थे और वे उम्मीद कर रहे थे कि यीशु उस दिन फिर से वापस आएंगे। और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की। और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की।

और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की। और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की। और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की।

और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की। और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की। और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की।

और उन्होंने उस दिन की भविष्यवाणी की। और उन्होंने कहा, अच्छा, किसके पास सबूत है? और हमें संकेतों के साथ संकेत मिलता है कि, यीशु आज वापस आ रहे हैं। आज ही, यह मसीह का दूसरा आगमन है।

और, ज़ाहिर है, जितने ज़्यादा अखबार के रिपोर्टर थे, उतने ही ज़्यादा चिड़चिड़े अखबार के रिपोर्टर वहाँ गए और एक माइक्रोफ़ोन लगा दिया। क्या आपको यकीन है कि यीशु आज आ रहे हैं? हाँ, हमें पूरा यकीन है कि यह दिन है। पोस्टर थे, यहाँ तक कि मेट्रो में भी। मुझे याद है कि मैं मेट्रो में गया और साइन को देखा। खैर, यह वह दिन है जब यीशु आ रहे हैं।

और ऐसा नहीं हुआ। और देर रात को भी, जैसे कि पौने 12 बजे, अखबार के रिपोर्टर वहाँ मौजूद थे। क्या आपको यकीन है कि यीशु आज आ रहे हैं? हाँ, यीशु।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तो यह बात शुरुआती मिलराइट्स के लिए सच थी। ऐसा नहीं हुआ।

अब, आप सोचेंगे कि इस असफलता के कारण, आप सोचेंगे कि विलियम मिलर यहाँ से गायब हो जाएंगे। वह 1849 तक जीवित रहे। लेकिन वास्तव में, ऐसा नहीं हुआ।

विलियम मिलर के बाद एक आंदोलन चला, जिसे आम तौर पर एडवेंटिस्ट आंदोलन कहा जाता है। इसलिए, ऐसे लोग थे जो उनके साथ बने रहे, भले ही दोनों भविष्यवाणियाँ गलत थीं। वे उनके साथ बने रहे।

उन्होंने यीशु के दूसरे आगमन, यीशु के दूसरे आगमन पर भी जोर दिया। इसलिए, वे एडवेंटिस्ट थे। इसलिए, उन्होंने खुद को एडवेंटिस्ट के रूप में लेबल करना शुरू कर दिया।

अब, मैं कहूंगा कि सबसे प्रभावशाली, निश्चित रूप से सबसे बड़ा एडवेंटिस्ट संप्रदाय एलेन जी. व्हाइट नामक एक महिला के नेतृत्व में शुरू हुआ। एलेन जी. व्हाइट और अन्य नेताओं की तिथियाँ भी हैं। लेकिन वह सबसे प्रसिद्ध नेता बन गईं।

एलेन जी व्हाइट हैं। वे इस एडवेंटिस्ट आंदोलन की सबसे प्रसिद्ध नेता बन गईं। और उन्होंने खुद को सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कहा।

वे सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट थे क्योंकि उनका मानना था कि ईसाई दस आज्ञाओं में से नौ का पालन कर रहे थे, लेकिन वे उस आज्ञा का पालन नहीं कर रहे थे जिसमें कहा गया था कि सप्ताह के दिन को याद रखना चाहिए और उसे पवित्र रखना चाहिए। और इसलिए सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट, लगभग यहूदी ही थे, लेकिन उनके लिए, सातवाँ दिन, शुक्रवार सूर्यास्त से शनिवार सूर्यास्त तक, उनके लिए पूजा और आराम आदि का दिन होता है। और यही बात सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट को अन्य एडवेंटिस्ट समूहों से अलग करती है।

जाहिर है, सभी एडवेंटिस्ट समूह सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट नहीं थे। आज भी एडवेंटिस्ट संप्रदायों में यह सबसे बड़ा है। मैंने जो आखिरी आंकड़ा देखा था, वह दुनिया भर में सेवेंथ-डे एडवेंटिस्टों की संख्या लगभग 25 मिलियन थी।

तो, यह एक बहुत बड़ा समूह है। अब, सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट के बारे में दो और बातें हैं जो आप जानते होंगे, एक बात यह है कि, जाहिर है, हम रविवार के बजाय सप्ताह पर पूजा करते हैं। हमारे यहाँ सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट चर्च हैं।

लेकिन कुछ और बातें भी हैं। क्या आप सेवेंथ डे के बारे में कुछ जानते हैं? क्या सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट के बारे में कुछ भी आपके दिमाग में आता है? नहीं। वे अपने धर्मशास्त्र के संदर्भ में रूढ़िवादी हैं।

कुछ लोग ऐसा करते हैं। यह उनकी कोई खास विशेषता नहीं है। कुछ और? हाँ, मैट? एलेन व्हाइट को निश्चित रूप से सेवेंथ-डे एडवेंटिस्टों द्वारा बहुत सम्मान दिया जाता है।

और वह, एक अर्थ में, एक आधुनिक समय की भविष्यवक्ता है। धर्मशास्त्र के संदर्भ में, धर्मशास्त्र के संदर्भ में कुछ भी? सबसे पहले, वे निश्चित रूप से एक युगांतकारी समुदाय हैं। वे एक ऐसा समुदाय हैं जो तलाश कर रहा है; वे एक तरह से, एक समुदाय के रूप में हैं; वे खुद को पंजों के बल पर खड़े, प्रतीक्षा करते हुए, यीशु के दूसरे आगमन के लिए प्रार्थना करते हुए सोचते हैं।

इसलिए वे एक ऐसा समुदाय हैं जो यीशु के दूसरे आगमन के सिद्धांत को ध्यान में रखता है, जबकि बहुत से अन्य ईसाई शायद भूल गए हैं कि यीशु फिर से आ रहे हैं, लेकिन सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट या अन्य एडवेंटिस्ट समूह ऐसा नहीं करते हैं। इसलिए, वे एक युगांतिक समुदाय हैं। बहुत महत्वपूर्ण है।

और यह उन अन्य बातों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा जो हम कहते हैं। सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट के बारे में दूसरी बात जो आप जानते होंगे वह यह है कि वे एक स्वस्थ समुदाय हैं। वे स्वास्थ्य मामलों को लेकर बहुत चिंतित हैं।

वे इस बात से चिंतित हैं कि आप क्या खाते हैं और क्या पीते हैं और आपको क्या नहीं खाना चाहिए और क्या नहीं पीना चाहिए। वे मूल रूप से शाकाहारी समुदाय हैं, हालांकि यह पूरी तरह से निर्धारित नहीं है, और मैं आपको एक मिनट में बताऊंगा कि मुझे यह क्यों पता है। सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट होना पूरी तरह से निर्धारित नहीं है, लेकिन यह एक तरह से सुझाया गया है।

तो, उनके पास अस्पताल हैं। आप उनके अस्पतालों, स्वास्थ्य के प्रति उनकी चिंता, और इसी तरह की अन्य बातों से परिचित हो सकते हैं। और वे शायद अमेरिकी सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा हैं।

वे शायद, लोगों के एक समुदाय के रूप में, हमारे पास सबसे स्वस्थ समुदाय हैं, सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट। इन तीनों समूहों के साथ, यह दिलचस्प है, लेकिन सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट के साथ, कुछ साल पहले, सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट मेरे संप्रदाय में आए और पूछा कि क्या हम सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट और मेरे संप्रदाय के बीच बातचीत शुरू कर सकते हैं। और सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट के साथ हमारी काफी बैठकें हुईं।

यह बहुत दिलचस्प था, और हमने पाया कि वे बहुत रूढ़िवादी हैं। वे अपने त्रित्व में विश्वास करते हैं। वे ईसाई धर्म पर केन्द्रित हैं।

वे क्रूस पर मसीह की मृत्यु में विश्वास करते हैं। वे उसके पुनरुत्थान में विश्वास करते हैं, बेशक, उसके दूसरे आगमन में। वे मानते हैं कि मसीह ने हमारे पापों का प्रायश्चित्त किया है, इत्यादि।

इसलिए, वे बुनियादी ईसाई सिद्धांत के मामले में बहुत रूढ़िवादी हैं। लेकिन यह दिलचस्प था, और वे हमारे लिए बहुत चिंतित थे, बेशक। हम एक बैठक के लिए उनके मुख्यालय में जाते थे।

वे एक जगह आते थे जहाँ हम मिलते थे, और इसी तरह की बातें। तो आगे-पीछे, आगे-पीछे, आगे-पीछे। लेकिन जब हम उनके मुख्यालय में थे, तो कुछ चीजें हमें दिलचस्प लगीं।

सबसे पहले, उन्होंने हमें जो भी भोजन परोसा, वह निश्चित रूप से शाकाहारी भोजन था। इसलिए, यदि आप उस समय के लिए इसके आदी नहीं थे, जब हम मिल रहे थे, तो आपको उस सप्ताह के लिए इसके आदी होना चाहिए था, जब हम मिल रहे थे। दूसरी बात जो हमें दिलचस्प लगी, वह यह थी कि शुक्रवार दोपहर के समय, उनका मुख्यालय खाली हो गया।

ये लोग सब्त के लिए तैयारी करने के लिए घर जा रहे हैं। यह लगभग यहूदी था। इसलिए, वास्तव में, इमारत खाली हो गई।

हमने पूछा कि क्या हम रुक सकते हैं, और हमारा समूह रुक सकता है, ताकि आपस में कुछ चर्चा कर सकें। और उनके पास एक गैर-सातवें दिन का एडवेंटिस्ट चौकीदार था जिसने कहा, हाँ, यह चौकीदार आपके लिए बंद कर देगा, इसलिए बेझिझक रुकें। लेकिन हम सभी घर जा रहे हैं क्योंकि हम अपने सब्बाथ शुक्रवार शाम की सेवा, और फिर शनिवार सुबह रविवार स्कूल, और फिर शनिवार को एक और सेवा, और इसी तरह की तैयारी कर रहे हैं।

तो शुक्रवार को उनके जीवन की गति को देखना बहुत ही रोचक था, और वे वास्तव में, वास्तव में, वास्तव में सब्त को बहुत गंभीरता से लेते हैं। और वे ऐसा नहीं करते। वे अपने व्यवहार के बारे में बहुत सावधान रहते हैं। जब वे सब्त के दिन पूजा में शामिल नहीं होते हैं, तो यह आराम का समय होता है।

वे सब्त के दिन मनोरंजन, या खेलकूद कार्यक्रम या ऐसी कोई चीज़ नहीं करते। यह सिर्फ आराम और पूजा-अर्चना का समय है। इसलिए, वे इस बारे में काफ़ी सख्त हैं।

ठीक है, तो मिलराइट्स, मिलराइट्स के आपके दो नाम हैं, विलियम मिलर और एलेन जी व्हाइट। ठीक है, मैं अगले समूह पर वापस जाता हूँ जिससे आप परिचित हो सकते हैं, और वह है मॉर्मन। तो, हम मॉर्मन के बारे में कुछ बातें कहेंगे।

ठीक है, सबसे पहले, ये दो नाम हैं जिन्हें हम अपने दिमाग में रखना चाहेंगे। आप शायद इसे दूसरे कोर्स से जानते होंगे, लेकिन जोसेफ स्मिथ, 1805 से 1844, और मॉर्मनवाद का उदय। और फिर, बेशक, एक व्यक्ति जो मॉर्मनवाद में परिवर्तित हो गया, ब्रिघम यंग नाम का एक व्यक्ति। और ब्रिघम यंग ने मॉर्मनवाद को अगली पीढ़ी में ले जाया।

तो, जोसेफ स्मिथ और ब्रिघम यंग दो ऐसे लोग होंगे जिन्हें आप मॉर्मनवाद की शुरुआत में जोड़ेंगे। यहाँ बाईं ओर जोसेफ स्मिथ और दाईं ओर ब्रिघम यंग हैं। ठीक है, तो जोसेफ स्मिथ, फिर से, हम यहाँ कहाँ हैं? हम ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क में हैं।

नाम पर वापस आता हूँ, तारीखें आपकी मदद करेंगी। आप जोसेफ स्मिथ की कहानी जानते होंगे, जिन्होंने बुक ऑफ मॉर्मन नामक एक छिपी हुई किताब की खोज की थी।

चूँकि यह एक तरह की चित्रलिपि थी, इसलिए जोसेफ स्मिथ को मॉर्मन की पुस्तक की व्याख्या करने और उसे अंग्रेजी में लिखने के लिए एक जोड़ी चश्मे की आवश्यकता थी। मॉर्मन की पुस्तक की व्याख्या करके और उसे अंग्रेजी में लिखकर, जोसेफ स्मिथ ने पाया कि उनका नाम मॉर्मन की पुस्तक में एक महान भविष्यवक्ता के रूप में था। और इसलिए अब आपके पास मॉर्मन की पुस्तक है जिसे जोसेफ स्मिथ ने अपने विशेष चश्मे से व्याख्यायित किया है।

लेकिन जब उनसे पूछा गया कि आपने हमें यह सब कैसे दिखाया, तो चश्मा अब मौजूद नहीं था। और इसलिए लोगों को बस इस बात पर भरोसा करना पड़ा कि मॉर्मन की पुस्तक की उनकी

व्याख्या एक सटीक व्याख्या थी, भले ही उनका नाम मॉर्मन की पुस्तक में था। तो वह 1827 की बात थी।

अब, यहाँ यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आपके पास पैगम्बर, जोसेफ स्मिथ, और आपके पास एक आधिकारिक पुस्तक के रूप में मॉर्मन की पुस्तक है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह अपर स्टेट, न्यूयॉर्क में भी है। अब, हम वास्तव में इस पर थोड़ा जोर देने जा रहे हैं, कि यह अपर स्टेट, न्यूयॉर्क में है, जहाँ यह 1727 में घटित होना शुरू होता है।

तो, यह स्थान महत्वपूर्ण है, और यह घटना महत्वपूर्ण है। हाँ, रेचेल? अच्छा, हाँ, सोने की प्लेटें जिन्हें उन्होंने व्याख्यायित किया, या पुस्तक के रूप में रखा। लेकिन सोने की प्लेटों को मॉर्मन की पुस्तक कहा जाता था, हालाँकि, जिससे हमें यह नाम मिला।

और फिर उसे चश्मे की ज़रूरत पड़ी। मैं इस बारे में जितना संभव हो सके उतना वस्तुनिष्ठ होने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन यह थोड़ा मुश्किल है। लेकिन उसे चश्मा मिल गया, वह इसका अर्थ निकालता है, और इसी तरह।

हाँ, यह सही है। ठीक है, यह सही है। ठीक है, तो उन्होंने एक चर्च का आयोजन किया, और फिर उनमें शामिल होने वाले पहले व्यक्तियों में से एक, एक अर्थ में, ब्रिघम यंग था।

तो अब, 1844 में जोसेफ स्मिथ की हत्या कर दी गई। इसलिए, उनका अंत बहुत दुखद रहा। लेकिन यह ब्रिघम यंग ही थे जिन्होंने मॉर्मन के इस तरह के बढ़ते समूह के जीवन और मंत्रालय को जारी रखा।

अब, जोसेफ स्मिथ और ब्रिघम यंग, लेकिन विशेष रूप से जोसेफ स्मिथ, ईश्वर से रहस्योद्घाटन प्राप्त करना जारी रखते थे। तो, एक अर्थ में, मॉर्मन की पुस्तक कहानी की शुरुआत थी। तो, आपके पास बाइबल है, फिर आपके पास मॉर्मन की पुस्तक है, लेकिन फिर जोसेफ स्मिथ को ईश्वर से रहस्योद्घाटन मिलना जारी रहा जिसे एक पुस्तक कहा जाता है जिसे अंततः सिद्धांत और वाचा के रूप में जाना जाता है।

उन्हें जो रहस्योद्घाटन मिले, उनमें से एक रहस्योद्घाटन जो आपको मॉर्मनवाद से पता होगा, लेकिन उन्हें जो रहस्योद्घाटन मिले, उनमें से एक रहस्योद्घाटन बहुविवाह विवाह का था। और जोसेफ स्मिथ की खुद 49 पत्नियाँ थीं। इसलिए, मॉर्मन आंदोलन के भीतर बहुविवाह को ठहराया गया था।

जोसेफ स्मिथ की 49 पत्नियाँ हैं। और यह एक रहस्योद्घाटन था जो उनके लिए एक तरह से आया था। तो, ठीक है, आप यह भी जानते होंगे, बेशक, ब्रिघम यंग के तहत, रास्ते में बहुत उत्पीड़न हुआ था।

रास्ते में बहुत उत्पीड़न हुआ, राजनीतिक और धार्मिक दोनों तरह से, क्योंकि इन लोगों के पास कुछ अजीब तरह के विचार थे। लेकिन यह ब्रिघम यंग था जो उन्हें यूटा नामक इस जगह पर ले गया और साल्ट लेक सिटी, यूटा में एक जगह मिली, एक तरह की शरणस्थली। कुछ चीजें जो

विश्वास करती हैं, और फिर मैं अपनी कुछ कहानियों के बारे में बात करना चाहता हूँ, लेकिन कुछ विश्वास जो उनके पास थे जो दिलचस्प थे, सबसे पहले, पवित्रशास्त्र के अधिकार में उनका विश्वास, जहाँ पवित्रशास्त्र का अधिकार, पवित्रशास्त्र महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अन्य निरंतर पवित्रशास्त्र हैं जो समान रूप से आधिकारिक हैं, जैसे मॉर्मन की पुस्तक, या सिद्धांत और वाचाएँ।

तो, बाइबल है, फिर मॉर्मन की पुस्तक है, फिर सिद्धांत और वाचाएँ हैं। तो बाइबल का एक अधिकार है, लेकिन मॉर्मन की पुस्तक का भी है, और सिद्धांत और वाचाएँ का भी है। अब, इसने अन्य ईसाइयों के साथ कुछ वास्तविक कठिनाई पैदा की, जो अन्य पुस्तकों को आधिकारिक के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

एक और बात जिसने ईसाइयों को थोड़ी परेशानी में डाला, वह था परमेश्वर पिता, परमेश्वर पुत्र और परमेश्वर पवित्र आत्मा के बारे में उनका दृष्टिकोण, क्योंकि वे परमेश्वर पिता और परमेश्वर पुत्र को शरीर के रूप में देखते थे। प्रत्येक के पास एक शरीर, एक भौतिक शरीर है। और यह पहला दर्शन है जो अब साल्ट लेक सिटी, यूटा में मॉर्मन टैबरनेकल में एक रंगीन कांच की खिड़की में है।

यह पहला दर्शन था जो जोसेफ स्मिथ को वास्तव में मिला था, और आप देखते हैं कि उन्हें ईश्वर पुत्र और ईश्वर पिता के दो अलग-अलग व्यक्तिगत व्यक्तित्व और वास्तव में भौतिक व्यक्तित्व के रूप में दर्शन हुआ है। अब, यह निश्चित रूप से समस्याग्रस्त हो जाता है, क्योंकि यदि ईश्वर पिता, ईश्वर पुत्र और ईश्वर पवित्र आत्मा एक ही सार साझा करते हैं, तो आपको ईश्वर पिता, ईश्वर पुत्र और ईश्वर पवित्र आत्मा के बीच अंतर दिखाई देता है। इसलिए, यदि आपको इस तरह का अंतर मिलता है, तो आपके पास त्रिदेव नहीं है, शब्द के रूढ़िवादी अर्थ में नहीं, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का एक ही सार साझा करना।

उनका यह भी मानना है कि सृष्टि से पहले, हम आत्मा के रूप में बनाए गए थे। अब, हम इस दुनिया में पैदा हुए हैं, और वहाँ एक तरह का मिलन है, लेकिन सृष्टि से पहले, सभी लोगों को आत्मा के रूप में बनाया गया है। फिर आप इस दुनिया में पैदा होते हैं, और समुदाय की आशा है कि आप तब ईश्वर के ज्ञान में विकसित होंगे, और यही मॉर्मन का सुसमाचार प्रचार का उद्देश्य है।

मैं उन्हें एक मिनट में दूसरा नाम देना चाहता हूँ। हाँ, रेचल। कोई बात नहीं।

अच्छा। हाँ। वे केवल पढ़ते ही क्यों हैं?

हाँ, किंग जेम्स। मुझे लगता है कि मैं खुद इस बारे में निश्चित नहीं हूँ, लेकिन यह अधिकृत संस्करण है। अगर यह पॉल के लिए काफी अच्छा है, तो यह उनके लिए भी काफी अच्छा है।

मेरा मतलब है, आप जानते हैं, उस तरह की बात, लेकिन मुझे यकीन नहीं है। मैं इसे चर्च के बारे में उनके विश्वास से जोड़ता हूँ, हालाँकि, प्रारंभिक चर्च, जिसके बारे में हम बस एक मिनट में बात करेंगे, और मुझे आश्चर्य है कि क्या यह उससे थोड़ा संबंधित है, कि किंग जेम्स संस्करण ही

एकमात्र सही मायने में संरक्षित संस्करण है, जबकि अन्य, कुछ मायनों में, कुछ मायनों में धर्मत्यागी होने चाहिए, लेकिन यह सही है। यह केवल किंग जेम्स है, हाँ।

आपने मॉर्मनवाद का अध्ययन किया है, या? मैं मॉर्मन नहीं हूँ, लेकिन मैं मॉर्मन हूँ। ठीक है, आपने किया है। भगवान आपके दिलों को आशीर्वाद दे।

ठीक है, ठीक है, तो ठीक है। खैर, मैं मॉर्मन के बारे में एक और बात कहना चाहता हूँ, और फिर अगर आपको लगता है कि हमें और भी चीजों के बारे में बात करनी चाहिए, तो यहाँ आँ, लेकिन मॉर्मन का पसंदीदा नाम इस बात का संकेत है कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। यह चर्च ऑफ़ जीसस क्राइस्ट ऑफ़ लैटर-डे सेंट्स है।

इसलिए, वे मॉर्मन शब्द के बजाय उस शब्द को पसंद करते हैं, और वे कभी भी मॉर्मन चर्च शब्द का इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन वे लैटर डे सेंट्स के चर्च ऑफ़ जीसस क्राइस्ट शब्द को पसंद करते हैं। अब, यह शीर्षक आपको दो बातें बताता है। सबसे पहले, हो सकता है कि इसमें कोई छिपा हुआ संदेश हो।

सबसे पहले, वे मानते हैं कि नए नियम के बाद चर्च बहुत जल्दी धर्मत्यागी बन गया, कि नए नियम का चर्च एक सच्चा चर्च था, मसीह का एक शरीर था, लेकिन उसके बाद, चर्च काफी हद तक एक धर्मत्यागी चर्च बन गया, और यीशु मसीह का सच्चा चर्च नहीं। इसलिए, जोसेफ स्मिथ को दिए गए रहस्योद्घाटन के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि भगवान ने जोसेफ स्मिथ को सच्चे चर्च के बारे में बताया और वह सच्चे चर्च, जीवित चर्च, नए नियम के चर्च, मसीह के चर्च का सच्चा पैगंबर बनने जा रहा था। इसलिए, दूसरी शताब्दी से लेकर जोसेफ स्मिथ तक सब कुछ मूल रूप से धर्मत्यागी बन गया, और सच्चा चर्च अब जोसेफ स्मिथ द्वारा स्थापित यह चर्च है, और इसी तरह।

फिर, दूसरी बात जो यह आपको बताती है वह है चर्च ऑफ़ जीसस क्राइस्ट ऑफ़ लैटर डे सेंट्स। यह एक अंतिम दिनों का समुदाय है। यह अंतिम दिन है जिसमें हम रह रहे हैं, और वे जी रहे हैं और यीशु के दूसरे आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं और इसी तरह आगे भी।

इसलिए लैटर डे सेंट्स शीर्षक के लिए महत्वपूर्ण है। यह एक तरह का उपहार भी है। अब, मेरे पास उनके बारे में कुछ कहानियाँ हैं, लेकिन इससे पहले कि हम ऐसा करें, रेचल, आप इस संदर्भ में कुछ और जोड़ना चाहेंगी, आप जानते हैं, यह थोड़ा सा है, हाँ।

हाँ, ठीक है, ठीक है, ठीक है।

हाँ, हाँ। हाँ, और निश्चित रूप से प्रारंभिक चर्च असफल रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन हाँ। मैं मृत्यु के बाद के जीवन के बारे में बात करूँगा।

हाँ, क्या मैं इसे सिर्फ़ एक मिनट के लिए रोक सकता हूँ, पोर्टर? हाँ। यह मुझे नहीं पता। राहेल, क्या प्रेरित जॉन अभी भी जीवित है? मुझे यह नहीं पता, लेकिन।

मुझे नहीं मालूम। क्या तुम्हें मालूम है? ठीक है। ठीक है।

यीशु ने कहा था कि, आप जानते हैं, जॉन अध्याय 21 में, जब वे नाश्ता कर रहे थे, यीशु ने कहा, अगर यह मेरी इच्छा है, तो वह मेरे आने तक रहेगा। इससे आपको क्या लेना-देना, पीटर? आप पीटर से बात कर रहे हैं, तो शायद यह वहीं से है, लेकिन मुझे यह नहीं पता। मॉर्मन के बारे में बहुत कुछ ऐसा है जो मैं नहीं जानता, लेकिन कुछ चीजें हैं जो मैं जानता हूँ, लेकिन बहुत कुछ ऐसा भी है जो मैं नहीं जानता।

ठीक है।

सही है, पर्ल ऑफ ग्रेट प्राइस। कभी-कभी वे पर्ल ऑफ ग्रेट प्राइस को डॉक्ट्रिन्स एंड कॉवनेन्ट्स पुस्तक के पर्याय के रूप में उपयोग करते हैं, इसलिए कभी-कभी वे पर्यायवाची होते हैं, लेकिन यदि आपके पास एक है, तो इसका मतलब है कि आपके पास बाइबल के साथ-साथ मॉर्मन की पुस्तक भी है, और इसे पर्ल ऑफ ग्रेट प्राइस कहा जाता है। पर्ल ऑफ ग्रेट प्राइस डॉक्ट्रिन्स एंड कॉवनेन्ट्स का पर्याय है। मुझे यह पता है, लेकिन मुझे नहीं पता था कि आप उन सभी को एक किताब में खरीद सकते हैं।

ठीक है, हाँ, ठीक है। ठीक है, ठीक है। मैं एक मिनट में दो कहानियाँ बताने जा रहा हूँ, लेकिन आगे बढ़ो।

क्या आप जानते हैं कि मॉर्मन में बपतिस्मा और बपतिस्मा के बीच बपतिस्मा की अवधि होती है? हाँ, ठीक है। और वे मृतकों के लिए बपतिस्मा में विश्वास करते हैं? हाँ, वे मृतकों के लिए बपतिस्मा में विश्वास करते हैं, और यह 1 कुरिन्थियों के एक अंश से आता है जहाँ पॉल वास्तव में इसका समर्थन नहीं कर रहा है। वह वास्तव में इस पर सवाल उठा रहा है, लेकिन वे मृतकों को बपतिस्मा देने में विश्वास करते हैं, और इसलिए, मंदिरों में बपतिस्मा बड़े पैमाने पर होते हैं क्योंकि बहुत से लोग हमेशा मृतकों को बपतिस्मा देते हैं। यदि आप अपनी वंशावली का पता लगाना चाहते हैं, तो आप कर सकते हैं, संभवतः मॉर्मन आपकी वंशावली जानते हैं क्योंकि वे उन सभी मृत लोगों के लिए बपतिस्मा दे रहे हैं जो पहले चले गए हैं।

तो, मैं दो छोटी-छोटी कहानियाँ सुनाऊँगा। वहाँ एक मॉर्मन मंदिर है जो शायद वाशिंगटन, डीसी में स्थित मंदिर जैसा ही दिखता है। मॉर्मन के बारे में दो छोटी-छोटी कहानियाँ, दो व्यक्तिगत कहानियाँ।

सबसे पहले, हम में से बहुत से लोग वहाँ थे। मुझे लगा कि यह शिकागो है, लेकिन अब मैं सोच रहा हूँ कि क्या यह वाशिंगटन, डीसी है, लेकिन मुझे लगा कि यह शिकागो में है जहाँ हम थे। क्या यह आपको वाशिंगटन, डीसी के मंदिर जैसा लगता है? ऐसा लगता है, और मुझे लगा कि हम शिकागो में हैं। वैसे भी, हम में से बहुत से लोग शिकागो में एक सम्मेलन में थे। यह कई साल पहले की बात है, और हम अमेरिकन एकेडमी ऑफ रिलिजन, सोसाइटी ऑफ बाइबिलिकल लिटरेचर के लिए वहाँ गए थे, और हम अखबार में पढ़ रहे थे कि एक मॉर्मन टेबर्नकल अभी-अभी बनाया गया था, और जाहिर है, हम यह नहीं जानते थे, लेकिन जाहिर है, एक कानून है, एक

मॉर्मन नियम है, कि जब टेबर्नकल बनाया जाता है, या एक नया मंदिर बनाया जाता है, तो इसे एक निश्चित संख्या में दिनों के लिए जनता के लिए खुला रखना होता है।

इसलिए, हमने तय किया, शायद हम में से चार या पाँच लोगों ने, कि हम इस जगह को देखना चाहते हैं। अगर यह जनता के लिए खुला है, तो सब कुछ जनता के लिए खुला है। जनता पैदल जा सकती है, और आपको निर्देशित पर्यटन और सब कुछ मिलता है, और फिर वे इसे बंद कर देंगे क्योंकि मंदिर के कुछ हिस्से ऐसे हैं जहाँ केवल एक निश्चित समूह के लोग ही जा सकते हैं और इसी तरह की अन्य बातें।

तो हम वहाँ गए, और निश्चित रूप से, पूरी जगह जनता के लिए खुली थी। मैंने अपने पूरे जीवन में ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। मेरा मतलब है, यह अविश्वसनीय था।

यह बहुत बड़ा और विशाल था, और यह सबसे बेहतरीन निर्माण सामग्री थी। मुझे बपतिस्मा याद है, शायद इस कमरे का आधा आकार, सोने के बछड़ों और अन्य चीजों के साथ सोने का था, और लोगों को बपतिस्मा दिया गया था। और मुझे विवाह के लिए चेंजिंग रूम में से एक याद है क्योंकि वे अक्सर आयोजित किए जाते थे, बेशक, हमें बहुविवाह करने की अनुमति नहीं है, लेकिन वे अक्सर एक समय में कई जोड़ों के विवाह आयोजित करते थे और इसी तरह। लेकिन यह सब स्पष्टीकरण, मुझे याद है कि अंदर जाकर सीढ़ी को देखते हुए, और आपको वास्तव में लगा कि आप स्वर्ग में हैं, मुझे कहना होगा, क्योंकि स्वर्ग और स्वर्गदूतों और महादूतों की सबसे खूबसूरत तस्वीरें थीं, और मुझे लगा कि मैं बस घिरा हुआ था और सब कुछ।

तो, दूसरी बात, और फिर जब हम बाहर आए, तो एक जगह थी जहाँ उन्होंने मॉर्मनवाद पर एक फिल्म दिखाई और दूसरी बात जो मुझे समझ में नहीं आई, मुझे नहीं पता कि आपने इसे समझा है, रेचल, या नहीं, लेकिन उनका मानना है कि जिस अवस्था में आप मरते हैं, वह वह अवस्था है जिसमें आप अनंत काल तक रहेंगे। इसलिए, यदि आप छह महीने में मर जाते हैं, तो आप अनंत काल तक ऐसे ही रहेंगे। अब, यह एक धन्य अवस्था होगी।

आपको बीमारी वगैरह नहीं होगी। इसलिए, अगर आप 100 साल की उम्र में मरते हैं, तो आप अपने साथ स्वर्ग में वे बीमारियाँ नहीं ले जाएँगे, लेकिन यह एक धन्य अवस्था होगी। लेकिन इसलिए भी क्योंकि उनके पास इतनी बड़ी समझ है और, मैं क्या कहूँ, एक बड़े तरह का धर्मशास्त्र लगभग एक परिवार के रूप में, एक समुदाय के रूप में, इतना महत्वपूर्ण है।

आप हमेशा के लिए एक परिवार के रूप में एक साथ रहेंगे। लेकिन मुझे इसका एहसास नहीं था, लेकिन जिस स्थिति में आप मरते हैं। तो, उन्होंने इन सभी छोटे बच्चों को स्वर्ग जाते हुए देखा, पिता और माताएँ स्वर्ग जाते हुए, वृद्ध लोग स्वर्ग जाते हुए, और इसी तरह। यह बहुत ही आकर्षक दृश्य था।

मैं अक्सर सोचता हूँ कि मुझे यह कहना होगा कि मुझे आश्चर्य है, यह जानते हुए कि मॉर्मनवाद कैसे शुरू हुआ और इसकी कहानी क्या है, और इसलिए आप सोचते हैं कि लोगों को मॉर्मनवाद की ओर क्या आकर्षित करता है। अब, मिट रोमनी, पूर्व गवर्नर, राष्ट्रपति पद के लिए दौड़े। वह

एक मॉर्मन है, और आप सोचते हैं कि, यहाँ एक बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति है। उसे मॉर्मनवाद की ओर क्या आकर्षित करता है, एक मॉर्मन होने के लिए? आप सोचते हैं। और मुझे लगता है कि इसका एक हिस्सा पारिवारिक जीवन और विश्वासियों के समुदाय, परिवार के समुदाय और हर चीज पर जोर है।

यह वास्तव में मॉर्मनवाद का हिस्सा है। मुझे नहीं पता कि अगर आप मिट रोमनी जैसे व्यक्ति हैं तो आपको यह बताना होगा कि मॉर्मनवाद कैसे शुरू हुआ या कुछ सिद्धांतों और वाचाओं और कुछ, मुझे नहीं पता, आप इसे कैसे प्रबंधित करते हैं? मुझे ठीक से पता नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि कभी-कभी इसे प्रबंधित करना मुश्किल होगा। हाँ, यह एक और बात है कि मिशन को दो साल के लिए मिशनरियों के रूप में भेजा जा रहा है।

मैंने बोस्टन में मॉर्मन मिशन को काफी देखा है, इसलिए यह सही है, और आपको इसके लिए उन्हें श्रेय देना होगा। वे मिशनरी विचारधारा वाले लोग हैं। इसके अलावा, आपको उनके चर्च के वित्तीय समर्थन के लिए भी उन्हें श्रेय देना होगा। वे अपने चर्च का समर्थन करते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है।

तो यह मेरी एक कहानी है। मैं मंदिर के अंदर गया और उस जगह के हर छोटे-छोटे कोने को देखा, इससे पहले कि इसे आम लोगों के लिए बंद कर दिया जाए, और यह अब तक देखी गई सबसे दिलचस्प चीज़ थी। हालाँकि, मैं आपको एक और छोटी सी कहानी बताता हूँ: मैं एक सम्मेलन के लिए इंडिपेंडेंस, मिसौरी में था, और इंडिपेंडेंस, मिसौरी में रिफॉर्म्ड लैटर-डे सेंट्स नामक एक समूह है।

अब, वे एक विच्छेद हैं। तीन या चार विच्छेद हैं। मॉर्मनवाद से एक कट्टरपंथी विच्छेद है, एक उदारवादी है, लेकिन वैसे भी, इंडिपेंडेंस, मिसौरी में रिफॉर्म्ड लैटर-डे सेंट्स नामक एक समूह है, और मैं उसमें था, उन्होंने मुझे ठहराया, मैं एक चर्च में बोल रहा था, और इसलिए उन्होंने मुझे एक बिस्तर और नाश्ते में ठहराया।

क्या आपको नहीं पता, बेड-एंड-ब्रेकफास्ट, यह दृश्य है। मैंने ये तस्वीरें नहीं लीं, लेकिन बेड-एंड-ब्रेकफास्ट से यह दृश्य है। आप सड़क के उस पार उनके मंदिर को देख रहे हैं, और आप सड़क के उस पार उनके बैठक स्थान को देख रहे हैं। यह सबसे उल्लेखनीय बात थी।

यह जगह, यह बताना मुश्किल है कि यह बहुत बड़ी थी। मेरा मतलब है, यह बहुत बड़ी थी, लेकिन उनके मिलने की जगह के बारे में आकर्षक बात यह थी कि यह ठीक बगल में थी, वहाँ दाईं ओर वह जगह, वह सभागार, वह सभागार, अब, आप जानते हैं, और जो लोग बिस्तर और नाश्ता चलाते थे वे सुधारवादी लैटर-डे सेंट्स थे, इसलिए वे मुझे यह कहानी बता रहे थे, और सब, मेरा मतलब है, वे इस बारे में बहुत गंभीर हैं, और मुझे भी गंभीर होना चाहिए, क्योंकि मैं कभी भी, मैं कभी भी किसी की धार्मिक समझ के बारे में कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन उसमें एक वापस लेने योग्य छत है, और ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब यीशु आता है, तो वे छत को वापस ले लेंगे, और यीशु नीचे आ रहे हैं, और उनकी बैठक के स्थान पर सबसे पहले उनके लिए सेवा करने जा

रहे हैं, और इसलिए आपको वापस लेने योग्य छत मिल गई है। बस उम्मीद है कि यह उस दिन काम करेगा।

मुझे ऐसा ही कुछ कहना था, लेकिन मैंने ऐसा नहीं कहा, मैंने ऐसा नहीं कहा। मैंने ऐसा नहीं कहा। मैंने कोई टिप्पणी नहीं की।

मैंने अभी-अभी उनकी बातें सुनीं, वापस लेने योग्य छत, और यह सब इंजीनियर और सब कुछ है, और फिर वे खरीद रहे हैं। ये लोग इस बारे में बहुत गंभीर हैं क्योंकि वे हवाई अड्डे के लिए भूमि खरीद रहे हैं ताकि वे वास्तव में हवाई अड्डे से यहाँ तक एक सड़क बना सकें ताकि जब उन्हें पता चले कि यीशु फिर से वापस आ रहे हैं, तो देश भर से सुधारित अंतिम-दिन के संत हवाई अड्डे पर उतरने में सक्षम होंगे, लेकिन उन्हें इधर-उधर परेशान नहीं होना पड़ेगा। वे बस अपनी कारों में बैठेंगे, सीधे यहाँ तक ड्राइव करेंगे ताकि वे वहाँ हो सकें जब छत वापस आ जाए, और यीशु नीचे आएँ, और इसलिए, यह थोड़ा अजीब है, यहाँ तक कि मॉर्मनवाद पर एक अजीब तरह का दृष्टिकोण जो मैंने अपने जीवन में कभी नहीं सुना था, लेकिन यह वहाँ है, इंडिपेंडेंस, मिसौरी, इसलिए इंडिपेंडेंस में यीशु आ रहे हैं, इसलिए।

तो ये हैं मॉर्मन। हमने शायद बात की होगी। आगे बढ़ो, जेना। मॉर्मन का क्या हुआ? खैर, वे जोसेफ स्मिथ से अलग हो गए, लेकिन मैं नहीं, मुझे लगता है कि सैद्धांतिक मुद्दे शायद कुछ सैद्धांतिक मुद्दे थे, लेकिन मुझे इस बारे में यकीन नहीं है।

मुझे इस पर और भी अधिक ध्यान से शोध करना होगा। जब उन्होंने वापस लेने योग्य छत के बारे में बात करना शुरू किया तो मुझे उनके मंदिर और इस विषय में बहुत दिलचस्पी थी। मैं नहीं कर सका।

उन्होंने मेरा ध्यान खींचा। उन्होंने मेरा ध्यान खींचा, और यह जगह आम लोगों द्वारा संचालित थी, इसलिए मैंने ऐसा नहीं किया। हमने वास्तव में ऐसा नहीं किया, इसलिए मुझे यकीन नहीं है। मुझे इस पर वास्तव में कुछ शोध करना होगा, हाँ, लेकिन मुझे पता है कि वे जोसेफ स्मिथ से अलग हो गए थे।

मुझे ठीक से नहीं पता कि सभी मुद्दे क्या थे, हाँ। ठीक है, तो मॉर्मन, हाँ। हाँ।

हाँ। यह बढ़ रहा है। यह, हाँ, बढ़ने लगा था, लेकिन चर्च और अधिकारियों दोनों द्वारा इसे एक सांप्रदायिक प्रकार का विधर्मी आंदोलन माना जाता है।

जोसेफ स्मिथ, मुझे लगता है कि यह किर्कलैंड में था, अगर मुझे याद है, तो वह किर्कलैंड में था जब उसे एक भीड़ ने मार डाला क्योंकि वे उसके द्वारा किए गए काम से बहुत नाराज थे, लेकिन तब मॉर्मनवाद, दूसरी पीढ़ी थी जिसने ब्रिघम यंग के तहत वास्तव में पकड़ बनाई, जब वह बाहर चले गए, लेकिन ओहियो, मिसौरी, ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क जैसी जगहों पर मॉर्मन चर्च थे, लेकिन ब्रिघम यंग के बाहर चले जाने के बाद, यह वास्तव में बढ़ने लगा। आज, यह सबसे बड़ा है, इसलिए वे कहते हैं, मेरा मतलब है, वे नहीं, मॉर्मन नहीं, लेकिन यह आज अमेरिका में सबसे बड़ा बढ़ता हुआ धर्म है। मैंने इसे कई मौकों पर सुना है।

तो, मॉर्मन बढ़ रहे हैं, बढ़ रहे हैं, हाँ। तो, आप वहाँ जाइए, मॉर्मन, ठीक है, मॉर्मन। ठीक है, खैर, यह तीसरा प्रस्थान है।

मुझे लगता है कि इसे इंजील पैटर्न से अलग होना कहना सुरक्षित होगा। मुझे लगता है कि ऐसा कहना सुरक्षित होगा। तो, आपके पास रोमन कैथोलिक धर्म था, फिर आपके पास मिलराइट्स थे, फिर आपके पास मॉर्मन थे, और अब अंतिम समूह जिसके बारे में हम बात करेंगे वह है शेकर्स, शेकर्स, और ध्यान दें कि मेरे पास यहाँ अन्य सामुदायिक आंदोलन हैं।

तो, शेकर्स। ठीक है, अब शेकर्स, यह समूह इंग्लैंड में शुरू हुआ। यह यहाँ शुरू नहीं हुआ, लेकिन यह यहाँ आने वाला है।

इस समूह की शुरुआत इंग्लैंड में हुई थी, और यह केकर्स से अलग होकर शुरू हुआ था, और उन्हें इंग्लैंड में शेकिंग केकर्स के नाम से जाना जाता था क्योंकि अपनी धार्मिक सेवाओं में, वे बहुत ज़्यादा नाचते थे और बहुत ज़्यादा हिलते थे, और इसलिए उपहास के तौर पर, उन्हें शेकिंग केकर्स के नाम से जाना जाता था। अब, जब वे इंग्लैंड में स्थापित हुए, तो केकरवाद थोड़ा शांत होने लगा था, बस थोड़ा सा, और इसलिए जब वे स्थापित हुए, तब शेकिंग केकर्स काफ़ी चर्चा में थे, और जाहिर है, यह उपहास का शब्द है, शेकिंग केकर्स, लेकिन उन्होंने इसे सम्मान के बैज के रूप में लिया, इसलिए उन्होंने खुद को शेकर्स कहना शुरू कर दिया। अब, शेकर्स के बहुत से नेता थे, लेकिन शेकर्स का सबसे महत्वपूर्ण नेता वह था जिसने शेकिंग, शेकिंग, शेकिंग, शेकर समूह को अमेरिका में लाया, और उसका नाम मदर ऐनी ली था, और यहाँ मदर ऐनी ली का एक चित्र है, और मदर ऐनी ली, बहुत दिलचस्प है।

वह स्वयं को मसीह का स्त्री सिद्धांत मानती थी, इसलिए वह स्वयं को पुरुष मसीह की स्त्री प्रतिरूप मानती थी, इसलिए यह थोड़ा अनिश्चित है, और इसलिए दूसरा आगमन, जहां तक उसका संबंध है, उसमें पूरा होना शुरू हो रहा है क्योंकि वह मसीह में स्त्री प्रतिरूप के रूप में मौजूद है, इसलिए वह एक तरह से यीशु के पूर्ण दूसरे आगमन की प्रारंभिक कहानी है। अब, उनका एक नाम है, और मुझे नहीं लगता कि मैंने आपको उनका नाम दिया है, इसलिए मुझे बताने दीजिए, वहां शेकर्स हैं। नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैंने आपको उनका नाम दिया है, इसलिए मुझे बताने दीजिए उनका नाम है क्राइस्ट के दूसरे प्रकटन में विश्वासियों का संयुक्त समाज क्राइस्ट के दूसरे प्रकटन में विश्वासियों का संयुक्त समाज क्राइस्ट के दूसरे प्रकटन में विश्वासियों का संयुक्त समाज या उन्हें मिलेनियल चर्च, मिलेनियल चर्च, क्राइस्ट के दूसरे प्रकटन में विश्वासियों का संयुक्त समाज या मिलेनियल चर्च भी कहा जाता है।

अब, ये दोनों ही इस बात का संकेत हैं कि यह एक युगांतकारी समुदाय है। यह एक ऐसा समुदाय है जो यीशु के दूसरे आगमन के बारे में बहुत बात करता है। अब, जो होता है वह यह है कि मदर ऐनी ली शेकर्स के एक समूह को कॉलोनिजों में ले आती है, और वह उन्हें अल्बानी, न्यूयॉर्क, क्षेत्र में ले आती है।

तो, अमेरिका में पहला शेकर समुदाय वस्तुतः न्यूयॉर्क के ऊपरी राज्य में था। ठीक है, अब, हमें यहाँ बस एक मिनट के लिए रुकना चाहिए क्योंकि मिलराइट्स की शुरुआत ऊपरी-राज्य न्यूयॉर्क में हुई थी। मॉर्मन की शुरुआत ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क में हुई थी।

शेकर्स की शुरुआत न्यूयॉर्क के ऊपरी राज्य से हुई थी। चार्ल्स ग्रैंडिसन फिन्नी ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क में अपना प्रचार शुरू करने जा रहे हैं। अब, वह अभी तक पूरी तरह से दृश्य में नहीं है, लेकिन वह ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क में अपना प्रचार शुरू करने जा रहा है।

तो, 19वीं सदी के मध्य से लेकर अंत तक, अपर स्टेट न्यूयॉर्क, और मुझे पता है कि हमारे पास एक छात्र है, मुझे पता है कि अलेक्जेंडर रोचेस्टर से है, लेकिन अपर स्टेट न्यूयॉर्क से कोई और भी है, आप कबूल कर सकते हैं, यह ठीक है। आप कहाँ से हैं? अल्बानी। टेड अपर स्टेट न्यूयॉर्क से है।

आप अल्बानी से हैं। यहीं से वह आई थी, यहीं से शेकर्स आए थे। टेड ऊपरी राज्य से है। इसलिए ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क को एक शीर्षक मिला, और इसे बर्न्ट ओवर डिस्ट्रिक्ट, बर्न्ट ओवर डिस्ट्रिक्ट कहा जाता था, या कभी-कभी बर्न्ट, बर्न्ट, बर्न्ट भी कहा जाता था, लेकिन कभी-कभी बर्न्ट, बर्न्ट, बर्न्ट ओवर डिस्ट्रिक्ट भी कहा जाता था।

और 19वीं सदी के मध्य से अंत तक इसे इस तरह का शीर्षक क्यों मिला? ऐसा इसलिए है क्योंकि ये सभी समूह ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क से आते रहे और अपने समूह शुरू किए, चर्च बनाए, आगे बढ़े, और इसी तरह, और इसलिए ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क को यह शीर्षक मिला, बर्न्ट ओवर डिस्ट्रिक्ट। इसलिए जब हम फ़िन्नी के बारे में बात करते हैं, जब हम बर्न्ट ओवर डिस्ट्रिक्ट के बारे में बात करते हैं, तो याद रखें, वह ऊपरी राज्य न्यूयॉर्क से है, एडम्स, न्यूयॉर्क से, इसलिए उस शीर्षक को याद रखें, हाँ, ठीक है। मुझे पता है कि जिले में बर्न्ट हिल्स नामक एक शहर है। क्या आपको वह याद है? बर्न्ट हिल्स, मुझे यह नहीं पता था।

मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं है। मुझे नहीं लगता कि वे संबंधित हैं, लेकिन हो सकता है कि वे संबंधित हों। क्या आपको पता है कि क्या यह न्यूयॉर्क में है? मुझे लगता है कि यह हो सकता है।

मैं गूगल पर जाकर इसकी जांच करने जा रहा हूँ। मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं है। तो, क्या हम बर्न्ट ओवर डिस्ट्रिक्ट के बारे में बात कर रहे हैं? हाँ, ठीक है, ठीक है।

रिकाडो, कबूलनामा आत्मा के लिए अच्छा है। हमें खुशी है कि तुम कबूलनामा कर रहे हो। इसलिए मुझे लगता है कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए, लेकिन मैंने ऐसा किया।

हाँ, अच्छा, ठीक है, हमें खुशी है कि आपने कबूल किया। यह अधिक पश्चिमी पहलुओं को दर्शाता है जैसे कि यह अपस्टेट है, लेकिन न्यूयॉर्क का पश्चिमी भाग भी है। हाँ, यह सुंदर है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है। यह मेरे लिए थोड़ा ज़्यादा सावधानी भरा लगता है क्योंकि अल्बानी जैसी जगहों को शेकर्स की वजह से यह शीर्षक मिला है।

तो यह मेरे लिए थोड़ा ज़्यादा सावधानी भरा हो सकता है क्योंकि हमारे पास ये सभी समूह थे। उनमें से कुछ पूर्वी भाग से थे, जैसे कि अल्बानी, उदाहरण के लिए। लेकिन इसमें और क्या लिखा है, रिकार्डों? ओह, तुम जा रहे हो, ठीक है?

छोटा लाल हिस्सा, हाँ, ठीक है, बर्न्ट ओवर डिस्ट्रिक्ट, जिले में धर्म, ठीक है, सभी तरह की अच्छी चीजें। ठीक है, नहीं, आप हमेशा विकिपीडिया पर भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन यह ठीक है, यह ठीक है, यह एक और कहानी है। ठीक है, तो, ठीक है, तो वहाँ एक एस्कैटोलॉजिकल समुदाय है।

ठीक है, शेकर्स के बारे में एक और बात बताइए, और फिर मुझे आपको विराम देना होगा। शेकर्स के बारे में एक और बात, आप शेकर्स के जीवन के बारे में क्या जानते हैं? क्या आपको कुछ ऐसा पता है जो शेकर्स के बारे में उनके समुदायों के निर्माण के बारे में सोचते समय दिमाग में आता है? और उनके पास कई समुदाय थे, आप जानते हैं, लेकिन हाँ। शेकर्स एक उप-समुदाय हैं।

ये शेकर्स हैं, हाँ, शेकर्स एक ब्रह्मचारी समुदाय थे, और इसलिए जब आप इन शेकर्स घरों को बनते हुए देखते हैं, और वैसे, मैं एस्बरी थियोलॉजिकल सेमिनरी गया था, तीन साल तक एस्बरी कॉलेज में पढ़ाया था, और एस्बरी के बहुत नज़दीक, एक खूबसूरत शेकर्स गांव है जिसे संरक्षित किया गया है, लेकिन वे एक ब्रह्मचारी समुदाय थे। और इसलिए उनके द्वारा बनाए गए घरों में, जब आप घरों में जाते हैं, तो दो सीढ़ियाँ होती हैं। पुरुष एक सीढ़ी ऊपर जाते हैं, और वे अपने छात्रावास में रहते हैं।

महिलाएँ दूसरी सीढ़ी से ऊपर जाती हैं, और वे अपने छात्रावास में रहती हैं। जहाँ तक मुझे पता है, आज कोई भी शेकर जीवित नहीं है। अब, कभी-कभी, आप मेन में सुनेंगे कि समुदाय में शायद अभी भी तीन या चार शेकर हैं, लेकिन जहाँ तक मुझे पता है, आज कोई भी शेकर जीवित नहीं है।

क्या शेकर्स के बारे में कुछ और भी है जो उनके बारे में बात करते समय आपके दिमाग में आता है? उनके बारे में कुछ और जो उनके लिए महत्वपूर्ण था? सादगी शब्द शेकर्स के जीवन की विशेषता है। ये लोग बहुत ही सादा जीवन जीते थे। उन्होंने ऐसे फर्नीचर बनाए जो सुंदर थे लेकिन अपनी सादगी के कारण सुंदर थे।

और इसलिए, और उन्होंने काम किया, और उनका सरल जीवन, उनका सावधान जीवन, उनका सरल जीवन, भगवान की महिमा के लिए पूरे दिन काम करने वाला जीवन था। और इसलिए, जब आप इन शेकर घरों में जाते हैं जो इन शेकर गांवों में संरक्षित हैं, तो प्रत्येक कमरे की दीवार से खूँटे निकले हुए हैं। और इसलिए आप आश्चर्य करते हैं, खूँटे वहाँ क्यों हैं? खैर, खूँटे वहाँ हैं क्योंकि, दिन के दौरान, जो भी साधारण कुर्सी है, और कुर्सियाँ सरल, सादी, सरल, लेकिन अपनी सादगी में सुंदर हैं, लेकिन आप कुर्सियाँ लेते हैं, और आप उन्हें दिन के दौरान दीवार पर लटका देते हैं।

आप दिन भर खाली नहीं बैठते। आप दिन भर भगवान की महिमा के लिए काम करते हैं। इसलिए, दिन के समय सभी कुर्सियाँ दीवार पर टाँग दी जाती हैं, और फिर शाम को, आप उन्हें नीचे उतार सकते हैं और सामुदायिक बैठक या कुछ और कर सकते हैं।

लेकिन अगर शेकर्स के बारे में आपको कुछ पता है, तो वह यह हो सकता है। शेकर्स के लिए वे ईश्वर की महिमा के लिए सादगी का जीवन जीते हैं। ठीक है, तो ये लोग अमेरिका में इंजील पैटर्न को चुनौती दे रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है।

और आपको ध्यान देना चाहिए, हमने इस बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन आपको एलेन व्हाइट और मदर एन ली के साथ ध्यान देना चाहिए कि अब महिलाएं शैतान हैं जो काम करने और सेवा करने के लिए स्वतंत्र महसूस करती हैं, लेकिन उन्हें अभी तक पारंपरिक चर्चों में काम करने और सेवा करने की अनुमति नहीं है। उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन अभी नहीं। तो वे कहां काम करती हैं? वे कहां सेवा करती हैं? वे मिलराइट्स या शेकर्स जैसे बाहरी समूहों की सेवा करती हैं।

वे वहां बहुत सहज महसूस करते हैं, और उनके अधिकार को उन समुदायों में मान्यता प्राप्त है। आप देखेंगे कि, आप में से कोई भी अमेरिकी चर्च के इतिहास में महिलाओं पर कोई भी शोध कर रहा है, आप देखेंगे कि यह काफी बार होने वाला है, यहां तक कि 20वीं सदी में भी, कि जो महिलाएं मंत्रालय में हैं, वे अक्सर अधिक रूढ़िवादी समुदायों के हाशिये पर हैं। तो, ठीक है, यहीं समाप्त करते हैं।

हाँ, मदर एन ली इंग्लैंड से हैं, और इंग्लैंड में केकर्स पर कुछ अत्याचार हो रहे थे, इसलिए उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया। उनमें भी एक तरह की मिशनरी भावना थी। वे नई दुनिया में आना चाहते थे, और इसलिए वह प्रमुख बन गईं। वह दिखती हैं, हाँ, वह थोड़ी अलौकिक दिखती हैं, है न, एक तरह से, तो वह मदर एन ली हैं।

हाँ, हाँ। उसका पहला नाम ऐन है, और यही उसका शीर्षक है। माँ उसका शीर्षक है। यही शीर्षक उन्होंने उसे दिया, माँ ऐन ली, हाँ।

ठीक है, आज शुक्रवार है, आज शुक्रवार है। आज बस 10 सेकंड का ब्रेक लें और गहरी सांस लें। 10 सेकंड, 10 सेकंड।

हम वहीं हैं जहाँ हमें होना चाहिए। यह व्याख्यान संख्या आठ है, 19वीं सदी में रोमन कैथोलिक धर्म। हम दो चीजों पर गौर करने जा रहे हैं।

हम रोमन कैथोलिक चर्च के विकास को देखने जा रहे हैं, और फिर हम रोमन कैथोलिक चर्च के अमेरिकीकरण को देखने जा रहे हैं, तो ठीक है। ठीक है, तो सबसे पहले, रोमन कैथोलिक चर्च के विकास के संदर्भ में, हमें विकास के साथ कहाँ से शुरुआत करनी चाहिए? खैर, मैं उनके विकास के तीन कारण और अमेरिकी ईसाई इतिहास में उनकी जबरदस्त वृद्धि के तीन कारण बताकर शुरुआत करने जा रहा हूँ। अब, वे लगातार बढ़े, मैं कहूँगा।

क्रांतिकारी युद्ध के समय तक, रोमन कैथोलिकों का एक छोटा समूह ही बचा था। अनुमान है कि क्रांतिकारी युद्ध के समय, केवल 35,000 रोमन कैथोलिक थे, जो निश्चित रूप से मैरीलैंड और पेनसिल्वेनिया मध्य उपनिवेशों जैसे स्थानों में केंद्रित थे। अनुमान है कि लगभग 1860 तक, तीन मिलियन से अधिक रोमन कैथोलिक थे।

अब, यह उन कुछ वर्षों की अवधि के भीतर जबरदस्त वृद्धि है, इसलिए वृद्धि हुई थी। ठीक है, अब, कैथोलिक वृद्धि के क्या कारण हैं? वे सभी आप्रवासन के कारण हैं। ठीक है, अमेरिका में रोमन कैथोलिक धर्म के विकास का नंबर एक कारण यह था कि 1830, 1840 और 1850 के दशक में आयरलैंड में आलू का अकाल पड़ा था, और आलू के अकाल के परिणामस्वरूप हजारों-हजारों लोग मर रहे थे।

जब हम बोस्टन में अपनी दूसरी सैर करेंगे, तो हम आयरलैंड में आलू के अकाल को दर्शाने वाली मूर्तियों के पास से गुजरेंगे। यह आयरलैंड के लोगों के लिए एक बहुत बड़ी आपदा थी। आलू के अकाल के परिणामस्वरूप क्या हुआ? बहुत से आयरिश लोगों को यहाँ अमेरिका में शरण मिली, और स्थानीय इतिहास के संदर्भ में यह बहुत दिलचस्प है कि उनमें से बहुत से लोगों को बोस्टन में शरण मिली।

बोस्टन, बोस्टन में पहले से ही कुछ आयरिश कैथोलिक थे। आयरिश कैथोलिक बड़ी संख्या में यहाँ आए, इसलिए आलू की कमी ने वास्तव में वहाँ तबाही मचाई और लोगों को यहाँ आने के लिए मजबूर किया। दूसरे, हमने जर्मनों के आगमन के बारे में बात की है, जहाँ मैंने आज डंकर के एक साथी संस्थापक का सिर्फ एक उदाहरण बताया है, लेकिन जर्मनों का आगमन हुआ।

खैर, पेनसिल्वेनिया में जर्मनों की उस आमद में, जर्मन पृष्ठभूमि से कई रोमन कैथोलिक थे, और इसलिए यह जबरदस्त वृद्धि का दूसरा कारण है। वृद्धि का तीसरा कारण यह था कि यह भूमि एक ऐसी जगह बन गई जहाँ धार्मिक आदेश अपने स्थान, अपने कॉन्वेंट, अपने घर, अपने घर और इसी तरह की अन्य चीजें स्थापित करना चाहते थे। बड़ी संख्या में आने वाले आदेशों में से एक जेसुइट्स थे, और अमेरिका में जेसुइट्स रोमन कैथोलिक शैक्षिक जीवन के अमेरिका में शैक्षिक ताने-बाने का हिस्सा बन गए, लेकिन आदेशों ने पाया, कुछ आदेशों, दोनों महिलाओं के आदेशों, पुरुषों के आदेशों को एक जगह मिली जहाँ वे वास्तव में यहाँ उपनिवेशों में पनप सकते थे, इसलिए वे यहाँ आने लगे।

हाँ, कार्टर। अमेरिका में जेसुइट्स? नहीं, नहीं, ठीक है, हाँ, नहीं, बस सामान्य तौर पर, है न? तो ये तीन कारण हैं कि वे अमेरिका में क्यों बढ़े।

ठीक है, अब जब वे अमेरिका आ गए हैं और इतनी तेज़ी से बढ़ रहे हैं, तो उन्हें दो समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए, हम उन दो समस्याओं का उल्लेख करना चाहते हैं जिनका सामना रोमन कैथोलिक चर्च को तब करना पड़ा जब वे इतनी बड़ी संख्या में आए। ठीक है, यह अभी भी रोमन कैथोलिक चर्च के विकास के अधीन है।

ठीक है, पहली समस्या ट्रस्टीशिप की समस्या थी, ट्रस्टीशिप की समस्या, स्थानीय रोमन कैथोलिक चर्चों को चलाने वाले ट्रस्टियों की समस्या। अब, यह एक समस्या थी। यह समस्या क्यों आई? यह समस्या इसलिए आई क्योंकि यहाँ इतने सारे, हज़ारों, दसियों हज़ारों, लाखों रोमन कैथोलिक आ रहे थे कि उनके पास इन सभी लोगों की सेवा करने के लिए पुजारी नहीं थे।

तो, यह वास्तव में हाथ से निकल गया। वे कोशिश कर रहे थे। आपके पास ये सभी अप्रवासी आ रहे हैं, और वे इन अप्रवासियों की देखभाल करने के लिए चर्च बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनके पास चर्च चलाने और चर्चों में मंत्री बनने के लिए पुजारी नहीं हैं। इसलिए, आम ट्रस्टियों ने इन रोमन कैथोलिक चर्चों पर कब्ज़ा करना शुरू कर दिया।

इसलिए, आम लोगों ने रोमन कैथोलिक चर्चों को ट्रस्टी के रूप में अपने नियंत्रण में लेना शुरू कर दिया। वे चर्चों के प्रभारी हैं। खैर, वास्तव में, जब वे आए और चर्चों को अपने नियंत्रण में लेना शुरू किया, तो उन्हें यह पसंद आया।

उन्हें यह शक्ति पसंद थी। इसलिए, वे अंततः पुजारियों को नियुक्त करने और निकालने में सक्षम होना चाहते थे। तो, चलो, आप जानते हैं, हम आम ट्रस्टी हैं।

हम यहाँ शो चला रहे हैं। अब आप और पादरी भेज रहे हैं। खैर, हम यह जानना चाहते हैं कि हमारे चर्च में कौन आएगा।

और अगर हमें पादरी पसंद नहीं है, तो हम चाहते हैं कि इस व्यक्ति को हमारे चर्च से निकाल दिया जाए। खैर, यह रोमन कैथोलिक चर्च की पदानुक्रमिक प्रकृति के विपरीत है। रोमन कैथोलिक चर्च इस तरह से काम नहीं करता है।

काफी सालों तक, अमेरिका में रोमन कैथोलिक चर्चों की ट्रस्टीशिप और अमेरिका में रोमन कैथोलिक चर्चों के पदानुक्रम के बीच वास्तविक तनाव और लड़ाई थी। अब, आखिरकार, लंबी कहानी को संक्षेप में कहें तो, रोमन कैथोलिक चर्च ने आखिरकार इस पर नियंत्रण पा लिया और चर्चों को फिर से पुरोहितों के हाथों में सौंप दिया। हो सकता है कि चर्च में क्या होने वाला है, यह बताने में मदद करने के लिए इसने प्रतिनिधि रखे हों, लेकिन आप रोमन कैथोलिक पादरियों को नियुक्त और बर्खास्त नहीं करने जा रहे हैं।

यह इस तरह से काम नहीं करेगा। इसलिए, ट्रस्टीशिप की इस तरह की आंतरिक समस्या समस्याग्रस्त थी। और रोमन कैथोलिक चर्च को अमेरिकी जीवन में आगे बढ़ने से पहले इस पर नियंत्रण पाना था।

और आप देख सकते हैं, वैसे, अमेरिकी जीवन में ट्रस्टीशिप सांस्कृतिक रूप से कितनी आकर्षक होगी, है न? क्योंकि ये रोमन कैथोलिक वोट दे रहे हैं। उन्हें वोट देने की स्वतंत्रता है और अपने सांस्कृतिक जीवन में चुनाव करने की स्वतंत्रता है। हमें चर्च के जीवन में निर्णय लेने और चर्च चलाने की स्वतंत्रता क्यों नहीं होनी चाहिए, है न? आप जानते हैं, ऐसा करना एक अमेरिकी बात लगती है।

तो, ठीक है। मुख्य बाहरी समस्या जिसका मैंने अभी उल्लेख किया है, और फिर हम सोमवार को इस पर चर्चा करेंगे। मुख्य बाहरी समस्या अमेरिका में इन प्रोटेस्टेंटों द्वारा कैथोलिक विरोधी भावना थी जो यहाँ थे।

ठीक है, अब हम सोमवार को जो सवाल पूछना चाहते हैं, वह यह है कि कैथोलिक विरोधी भावना ने क्या रूप लिया जो एक वास्तविक बाहरी समस्या बन गई? और फिर हम यह सवाल पूछना चाहते हैं कि रोमन कैथोलिक चर्च ने इसे कैसे संभाला? ठीक है, आपका सप्ताहांत अच्छा रहे, और हम आपसे सोमवार को मिलेंगे।

यह डॉ. रोजर ग्रीन अमेरिकी ईसाई धर्म पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह द्वितीय महान जागृति पर सत्र 11 है।